844: सैंदर्यों बिक्री 129000/- 0.1561 0.05 डे० सिमडेगा 331 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

स्टाम्प 5160/-

क (1) 1290=00
ग (क) 45=
1335/-

हालमारी 2.50
तकवला 0.94
3=44
1338=44

§1§ लेखयकारीगण :- §1§ श्री जीदन कोनगाड़ी वो §2§ श्री प्रभुसहाय कोनगाड़ी पिता स्व० गिदियुन कोनगाड़ी जाति मुण्डा पेशा पेशा खेती बारी निवास गांव सलडेगा थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा ------------ विक्रेतागण ।

शपथ-पत्र संख्या 396, 397/---/ 2004

§2§ लेखयधारी :- श्री जयसिंह डांग पिता स्व० धनमसीह डांग जाति मुण्डा पेशा नौकरी निवास गांव सलडेगा थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा भारतीय नागरिक ------ क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या --398/---------/ 2004

Sample output to test PDF Combine only

000118104

कोषागार पदाधिकारी
सिमडेगा

श्री प्रताप सिंह डोंग
वल्द स्व. प्यार मसीह डोंग
सा. सलडेगा जिला सिमडेगा को
निम्नलिखित ननजुडिसियल स्टाम्प
वास्ते केवाला
रुपया 5160/-

5000×1 = 5000.00
100×1 = 100.00
20×3 = 60.00
कुल - 5160.00

कोषागार लिपिक
कोषागार

स्टाम्प सहायक
कोषागार सिमडेगा

सही जीवन कोनगाड़ी
ता. 4.11.2004

बनीक 04.11.04 10 बजे
अपराह्न में अवर निबंधन कार्यालय
सिमडेगा में रजिस्ट्री हेतु
... मुख्तार जो सन ...
... के
... के बिना बजाय
निबंधन हेतु प्रस्तुत किया
श्री जीवन कोनगाड़ी
पिता/पति स्व. फ्रांसिस कोनगाड़ी
ग्राम सिमडेगा थाना सिमडेगा
जाति ... पेशा खेती

निबंधन पदाधिकारी

उपरोक्त निष्पादनकर्ता श्री जीवन कोनगाड़ी श्री प्रभु सहाय कोनगाड़ी ने लेख्य का निष्पादन स्वीकार किया है जिनकी पहचान श्री ... पिता ... पेशा खेती ने किया है।

4.11.04

क्र. 449
4.11.04

क्र. 450
4.11.04

सही जीवन कोनगाड़ी
ता. 4.11.2004
सही प्रभु सहाय कोनगाड़ी
ता. 4.11.2004

Sample output to test PDF Combine only

100Rs.

§3§ ले ख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक हमेशा के लिए ।

§4§ मूल्य :- मो0 एक लाख उनतीस हजार रूपये अंके 1,29,000/- रूपये होता है।

§5§ सम्पति :- एराजियात 0.15 एकड़ § पन्द्रह डिसमिल § जमीन हकियत मय दखाली र`यती खारीदगी वजरिये पट्टा संख्या 438/41 दिनांक 3-12-41 के अनुसार वाके मौजा सलडेगा कुम्हार टोली थाना नं0 117 थाना सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं0 88 § अठासी § प्लाट नं0 1042 § एक हजार बयालीस § रकबा 0.15 एकड़ § पन्द्रह डिसमिल § जमीन जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- इसी प्लाट का अंश,

दक्षिण :- इसी प्लाट का अंश,

पूरब :- पक्की सड़क,

पश्चिम :- इसी प्लाट का अंश ।

कुल एक खाता का एक प्लाट का टुकड़ा रकबा 0.15 एकड़

Sample output to test PDF Combine only

§ पन्द्रह डिसमिल § सिर्फ । वर्णित जमीन आवासीय है । जिसकी मालगुजारी सालाने 05 पैसा अलावे शेष । —

§1§ चूंकि हम दोनों लेख्यकारीगण को इस समय जमीन लेने वास्ते रूपये की अति आवश्यकता है पर हमने वर्णित जमीन को लेख्यधारी के पास नगद मूल्य 1,29,000/- रूपये में रैयती बेचा और अपनी-अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थाता में रह कर वो वर्णित मूल्य नगद भुगतान पाकर यह विक्रय-पत्र लिखा दिये कि प्रमाण रहे । —

§2§ चूंकि हम दोनों पक्ष लेख्यकारी वो लेख्यधारी आदिवासी समुदाय के रैयत है अतः जमीन बिक्री हेतु परमीशन का आवेदन सी0एन0टी0 एक्ट अन्दर दफा 46 का मुकदमा वाद संख्या 90/02-03 श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार मोकाम सिमडेगा के न्यायालय में किया जिसकी स्वीकृति आदेश दिनांक 23-9-04 ई0 को हुई जिसका मेमो नं0 607 रेव0 दिनांक 25-9-04 ई0 है । —

§3§ हम प्रतिज्ञा करते है कि वर्णित विक्रीत जमीन हमारी पुस्तैनी खारीदगी है जो हमारे दादा मारटीन मुण्डा के नाम से खारीदगी है और वर्तमान में हमारे पिता गिदयुन मुण्डा के नाम से मालगुजारी की रसीद कटती है । वर्णित विक्रीत जमीन हमदोनों भाईयों के हिस्से की है । जिस पर हमारा निर्विवाद दखल वो

20 Rs.

कब्जा है । जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है । अब से उस पर सारा हक वो दखल कब्जा लेखधारी को हस्तान्तरित कर दिये अब से उस पर हमारा किसी प्रकार का दखल कब्जा वो अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में हमारे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

§5§ चाहिए कि लेखधारी वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीख लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

लेख्यकारीगण के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्त्ता,
अरुण कुमार,
अधिवक्ता
तारीख - 4-11-2004.

हम लेख्यकारीगण यह घोषणा करते है कि वर्णित विक्रीत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - मोहन कोनगाड़ी
ता: 4 11 2004
सही प्रेम सहाय कोनगाड़ी ता. 4. 11. 2004

Sample output to test PDF Combine only

20 Rs.

मैं लेखयधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व धारित वो खारीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - जगतसिंह साह
ता० 4-11-2004

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 5 पृष्टों में कुल 467 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह०/- नारायण दास
4/11/04

॥ नारायण दास ॥
कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे के साथ हुबहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

सही - दीपक कोनगाड़ी
ता० 4.11.2004
सही प्रभु सहाय कोनगाड़ी
ता० 4.11.2004

सही दीपक कोनगाड़ी
ता० 4.11.2004
सही प्रभु सहाय कोनगाड़ी
ता० 4.11.2004

Sample output to test PDF Combine only